दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

मिशन 2027: हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

लंबे समय से एक ही सीट पर जमे अधिकारी बदले

बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा का बड़ा कदम, कार्यप्रणाली को अधिक गतिशील, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनाने के लिए दी गई नई जिम्मेदारियां

सवेरा न्यूज/यशपाल सिंह

धर्मशाला,24 जून : आगामी परीक्षा सत्र 2027 को लेकर हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला अभी से पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। बोर्ड की कार्यप्रणाली में नई ऊर्जा, तेजी और पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से मुख्यालय में एक बड़ा आंतरिक फेरबदल किया गया है। इसके तहत लंबे समय से एक ही शाखा में जमे कई अधिकारियों और कर्मचारियों के विभाग बदल दिए गए हैं और उन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस बड़े फेरबदल की जानकारी शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि यह पूर्णतः एक प्रशासनिक निर्णय है, जिसका मुख्य लक्ष्य व्यवस्था को और अधिक गतिशील व परिणामोन्मुख बनाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो कर्मचारी वर्षों से एक ही सीट या शाखा में काम कर रहे थे, उन्हें दूसरे विभागों में भेजा गया है।

डा. राजेश शर्मा

इस कदम से न केवल कर्मचारियों के बीच अनुभवों का आदान-प्रदान होगा, बल्कि उन्हें काम करने के नए अवसर और चुनौतियां भी मिलेंगी।

इससे बोर्ड के कामकाज में नयापन आएगा और संस्थागत क्षमता और अधिक सुदृढ़ होगी। बोर्ड अध्यक्ष ने इस अवसर पर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों में जोश भरते हुए टीम भावना से काम करने का आह्वान किया। उन्होंने विनम्रता का परिचय देते हुए कहा, "शिक्षा बोर्ड की कोई भी उपलब्धि किसी एक व्यक्ति की नहीं होती, बल्कि यह पूरी टीम के सामूहिक प्रयासों का ही परिणाम है। मैं स्वयं भी इस टीम का एक सदस्य हूं और हम सभी मिलकर प्रदेश के विद्यार्थियों और शिक्षा के हित में कार्य कर रहे हैं।

2026 की सफलता को 2027 में दोहराने का लक्ष्य : डा राजेश शर्मा

डॉ. शर्मा ने वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षाओं और उनके परिणामों के सफल संचालन की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि 2026 में बिना किसी बाधा के परीक्षाएं संपन्न करवाना और समय पर सटीक परिणाम घोषित करना कर्मचारियों के समर्पण, उत्कृष्ट समन्वय और शानदार टीमवर्क के कारण ही संभव हो पाया।

अध्यक्ष ने विश्वास जताया है कि नई जिम्मेदारियां संभालने जा रहे सभी अधिकारी और कर्मचारी इसी पुरानी ऊर्जा, समर्पण और टीम भावना के साथ काम करेंगे।

इस फेरबदल से परीक्षा सत्र-2027 की तैयारियां और अधिक मजबूत होंगी, जिसका सीधा लाभ प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी सेवाओं के रूप में मिलेगा।

Dainik Jagran 25-06-2026

स्कूल शिक्षा बोर्ड में इधर उधर किए गए कर्मचारी

जागरण संवाद केंद्र, धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने आगामी परीक्षा सत्र 2027 की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण आंतरिक फेरबदल किया है। इस फेरबदल का उद्देश्य बोर्ड की कार्यप्रणाली में नई ऊर्जा, तेजी और पारदर्शिता लाना है। लंबे समय से एक ही शाखा में कार्यरत कई अधिकारियों और कर्मचारियों के विभाग बदले गए हैं और उन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं।

बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि यह निर्णय पूरी तरह से प्रशासनिक है, जिसका मुख्य लक्ष्य व्यवस्था को और अधिक गतिशील और परिणामोन्मुख बनाना है। कहा कि जो कर्मचारी वर्षों से एक ही स्थान पर कार्य कर रहे थे, उन्हें नए विभागों में भेजा है। इससे कर्मचारियों के बीच अनुभवों का आदान-प्रदान होगा और उन्हें नए अवसर तथा चुनौतियां मिलेंगी। डा. शर्मा ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का टीम भावना से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, शिक्षा बोर्ड की कोई भी उपलब्धि किसी एक व्यक्ति की नहीं होती, बल्कि यह पूरी टीम के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

उन्होंने वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षाओं की सफलता की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि नई जिम्मेदारियों के साथ सभी अधिकारी और कर्मचारी इसी ऊर्जा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। इस फेरबदल से परीक्षा सत्र 2027 की तैयारियां और मजबूत होंगी, जिसका लाभ प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों को मिलेगा।

Amar Ujala 25-06-2026

लंबे समय से शिक्षा बोर्ड की एक ही ब्रांच में डटे अधिकारी-कर्मचारी बदले

धर्मशाला। आगामी परीक्षा सत्र 2027 को लेकर हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला अभी से एक्शन मोड में आ गया है। बोर्ड की कार्यप्रणाली में नई ऊर्जा, तेजी और पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से मुख्यालय में एक बड़ा आंतरिक फेरबदल किया गया है।

इसके तहत लंबे समय से एक ही शाखा में जमे कई अधिकारियों और कर्मचारियों के विभाग बदल दिए गए हैं और उन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि यह पूर्णतः एक प्रशासनिक निर्णय है, जिसका मुख्य लक्ष्य व्यवस्था को और अधिक गतिशील व परिणामोन्मुख बनाना है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जो कर्मचारी वर्षों से एक ही सीट या शाखा में काम कर रहे थे, उन्हें दूसरे विभागों में भेजा गया है। इससे न केवल कर्मचारियों के बीच अनुभवों का आदान-प्रदान होगा, बल्कि उन्हें काम करने के नए अवसर और चुनौतियां भी मिलेंगी। इससे बोर्ड के कामकाज में नयापन आएगा और संस्थागत क्षमता और अधिक सुदृढ़ होगी। संवाद

Divya Himachal 25-06-2026

शिक्षा बोर्ड में प्रशासनिक फेरबदल

लंबे समय से एक ही सीट संभाले अधिकारियों के विभाग बदले

दिव्य हिमाचल ब्यूरो-धर्मशाला

आगामी परीक्षा सत्र 2027 को लेकर हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला अभी से पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। बोर्ड की कार्यप्रणाली में नई ऊर्जा, तेजी और पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से मुख्यालय में एक बड़ा आंतरिक फेरबदल किया गया है। इसके तहत लंबे समय से एक ही शाखा (ब्रांच) में जमे कई अधिकारियों और कर्मचारियों के विभाग बदल दिए गए हैं और उन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस बड़े फेरबदल की जानकारी देते हुए शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि यह पूर्णत: एक प्रशासनिक निर्णय है, जिसका मुख्य लक्ष्य व्यवस्था को और अधिक गतिशील व परिणामोन्मुख बनाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो कर्मचारी वर्षों से एक ही सीट या शाखा में काम कर रहे थे, उन्हें दूसरे विभागों में भेजा गया है। इस कदम से न केवल कर्मचारियों के बीच अनुभवों का आदान-प्रदान होगा, बल्कि उन्हें काम करने के नए अवसर और चुनौतियां भी मिलेंगी। इससे बोर्ड के कामकाज में नयापन आएगा और संस्थागत क्षमता और अधिक सुदृढ़ होगी।

टीमवर्क जरूरी बोर्ड अध्यक्ष ने इस अवसर पर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों में जोश भरते हुए टीम भावना से काम करने का आह्वान किया। डा. शर्मा ने वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षाओं और उनके परिणामों के सफल संचालन की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि 2026 में बिना किसी बाधा के परीक्षाएं संपन्न करवाना और समय पर सटीक परिणाम घोषित करना कर्मचारियों के समर्पण, उत्कृष्ट समन्वय और शानदार टीमवर्क के कारण ही संभव हो पाया। अध्यक्ष ने विश्वास जताया है कि नई जिम्मेदारियां संभालने जा रहे सभी अधिकारी और कर्मचारी इसी पुरानी ऊर्जा, समर्पण और टीम भावना के साथ काम करेंगे।

Apka Faisla 25-06-2026

मिशन 2027: हिमाचल शिक्षा बोर्ड में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, लंबे समय से एक ही सीट पर जमे अधिकारी बदले गए

धर्मशाला,(आपका फैसला)। आगामी परीक्षा सत्र 2027 को लेकर हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड , धर्मशाला अभी से पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। बोर्ड की कार्यप्रणाली में नई ऊर्जा, तेजी और पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से मुख्यालय में एक बड़ा आंतरिक फेरबदल किया गया है। इसके तहत लंबे समय से एक ही शाखा (ब्रांच) में जमे कई अधिकारियों और कर्मचारियों के विभाग बदल दिए गए हैं और उन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस बड़े फेरबदल की जानकारी देते हुए शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि यह पूर्णत: एक प्रशासनिक निर्णय है, जिसका मुख्य लक्ष्य व्यवस्था को और अधिक गतिशील व परिणामोन्मुख बनाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो कर्मचारी वर्षों से एक ही सीट या शाखा में काम कर रहे थे, उन्हें दूसरे विभागों में भेजा गया है। इस कदम से न केवल कर्मचारियों के बीच अनुभवों का आदान-प्रदान होगा,

बल्कि उन्हें काम करने के नए अवसर और चुनौतियां भी मिलेंगी। इससे बोर्ड के कामकाज में नयापन आएगा और संस्थागत क्षमता और अधिक सुदृढ़ होगी। बोर्ड अध्यक्ष ने इस अवसर पर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों में जोश भरते हुए टीम भावना से काम करने का आह्वान किया। उन्होंने विनम्रता का परिचय देते हुए कहा, शिक्षा बोर्ड की कोई भी उपलब्धि किसी एक व्यक्ति की नहीं होती, बल्कि यह पूरी टीम के सामूहिक प्रयासों का ही परिणाम है। मैं स्वयं भी इस टीम का एक सदस्य हूं और हम सभी मिलकर प्रदेश के विद्यार्थियों और शिक्षा के हित में कार्य कर रहे हैं। 2026 की सफलता को 2027 में दोहराने का लक्ष्य डॉ. शर्मा ने वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षाओं और उनके परिणामों के सफल संचालन की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि 2026 में बिना किसी बाधा के परीक्षाएं संपन्न करवाना और समय पर सटीक परिणाम घोषित करना कर्मचारियों के समर्पण, उत्कृष्ट समन्वय और शानदार टीमवर्क के कारण ही संभव हो पाया। अध्यक्ष ने विश्वास जताया है कि नई जिम्मेदारियां संभालने जा रहे सभी अधिकारी और कर्मचारी इसी पुरानी ऊर्जा, समर्पण और टीम भावना के साथ काम करेंगे। इस फेरबदल से परीक्षा सत्र-2027 की तैयारियां और अधिक मजबूत होंगी, जिसका सीधा लाभ प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी सेवाओं के रूप में मिलेगा।

Himachal Dastak 25-06-2026

लंबे समय से एक ही सीट पर जमे अधिकारी बदले गए

धर्मशाला। आगामी परीक्षा सत्र 2027 को लेकर हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला ने आंतरिक फेरबदल किया गया है। इसके तहत लंबे समय से एक ही शाखा (ब्रांच) में जमे कई अधिकारियों और कर्मचारियों के विभाग बदल दिए गए हैं और उन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। यह जानकारी शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि यह पूर्णतः एक प्रशासनिक निर्णय है, जिसका मुख्य लक्ष्य व्यवस्था को और अधिक गतिशील व परिणामोन्मुख बनाना है। इस कदम से न केवल कर्मचारियों के बीच अनुभवों का आदान-प्रदान होगा, बल्कि उन्हें काम करने के नए अवसर और चुनौतियां भी मिलेंगी। इससे बोर्ड के कामकाज में नयापन आएगा और संस्थागत क्षमता और अधिक सुदृढ़ होगी। बोर्ड अध्यक्ष ने इस अवसर पर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों में जोश भरते हुए टीम भावना से काम करने का आह्वान किया।

Mission 2027: Major Administrative Reshuffle at Himachal Education Board

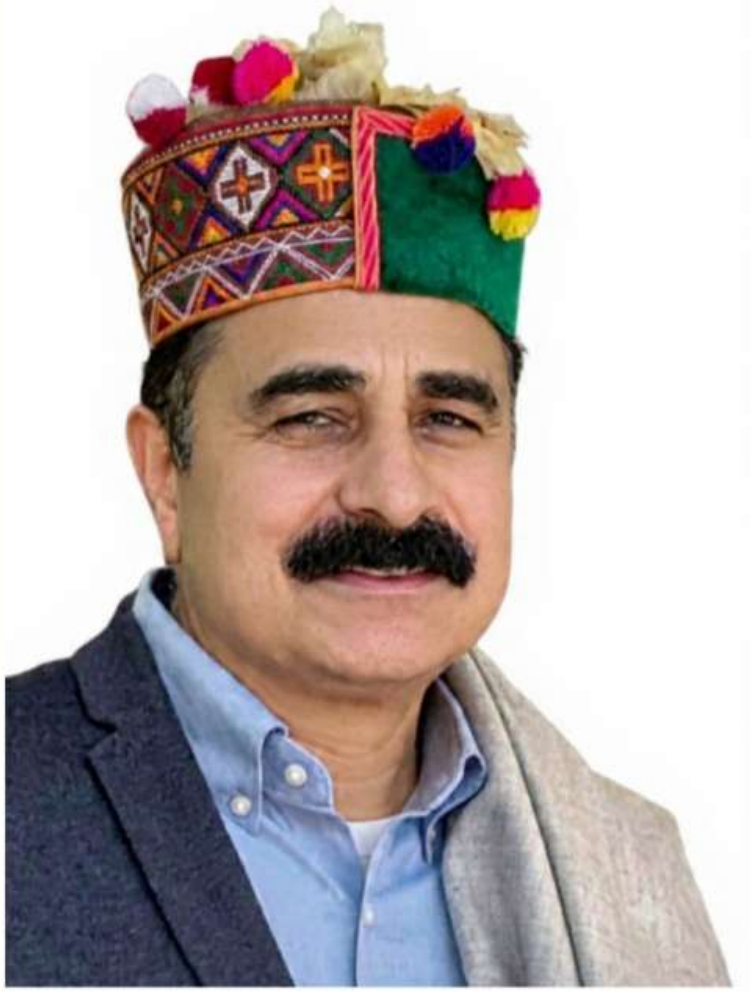

SANJAY AGGARWAL

DHARAMSHALA JUN 24: The Himachal Pradesh Board of School Education (HPBOSE), Dharamshala, has already swung into full action mode regarding the upcoming 2027 examination session. A major internal reshuffle has been carried out at the headquarters with the aim of infusing new energy, speed, and transparency into the Board's operations. As part of this move, several officers and employees who had been stationed in the same branch for a long time have had their departments changed and have been assigned new responsibilities. Announcing this major reshuffle, Board Chairman Dr. Rajesh Sharma stated that it is purely an administrative decision aimed at making the system more dynamic and result-oriented. He clarified that employees who had been working at the same desk or branch for years have been transferred to other departments. This step will not only facilitate the exchange of experiences among employees but also provide them with new work opportunities and challenges. It will bring a fresh approach to the Board's functioning and further strengthen institutional capacity. On this occasion, the Board Chairman motivated all officers and employees, urging them to work with a spirit of teamwork. Displaying humility, he said, "No achievement of the Education Board belongs to any single individual; rather, it is the result of the collective efforts of the entire team. I, too, am a member of this team, and together we are working in the interest of the state's students and the education sector." Dr. Sharma highly commended the successful conduct of the 2026 board examinations and the declaration of their results. He noted that conducting the 2026 exams without any hitches and declaring accurate results on time was made possible only through the dedication, excellent coordination, and superb teamwork of the staff. He expressed confidence that all officers and employees assuming new responsibilities would continue to work with the same zeal, dedication, and team spirit.

शिक्षा में सुधार और सर्वांगीण विकास पर जोर,स्कूल शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष ने रोहड़ू में परखी शिक्षा की नब्ज

दैनिक जागो वर्ल्ड ! धर्मशाला/ राकेश कुमार

हिमाचल प्रदेश में शिक्षा के स्तर को और अधिक प्रभावी तथा छात्र-केंद्रित बनाने की दिशा में हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड (एचपीबीओएसई), धर्मशाला के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने रोहड़ू का अहम दौरा किया। अपने इस प्रवास के दौरान उन्होंने न केवल जमीनी स्तर पर स्कूलों की स्थिति का जायजा लिया, बल्कि विद्यार्थियों, शिक्षकों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ सीधा संवाद स्थापित कर शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने का खाका भी खींचा। विद्यार्थियों को दिया उच्च लक्ष्य निर्धारित करने का मंत्रअपने दौरे की शुरुआत करते हुए डॉ. शर्मा ने रोहड़ू स्थित पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (बालक) और आराधना पब्लिक स्कूल का निरीक्षण किया। विद्यालयों की प्रात:कालीन सभा में शामिल होकर उन्होंने बच्चों में नई ऊर्जा का संचार किया। शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष ने विद्यार्थियों को अनुशासन, कड़ी मेहनत और जीवन में उच्च लक्ष्य तय करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि किताबी ज्ञान के साथ-साथ सकारात्मक सोच, उच्च नैतिक मूल्य और खेलकूद जैसी सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भागीदारी ही सर्वांगीण विकास की असली कुंजी है।गुणवत्ता सुधार के लिए शिक्षकों से मंथनछात्रों का उत्साहवर्धन करने के उपरांत डॉ. शर्मा ने शिक्षकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और विद्यार्थियों के समग्र विकास को लेकर गहन मंथन किया गया। उन्होंने शिक्षकों से बोर्ड की कार्यप्रणाली पर सीधे सुझाव और जमीनी समस्याएं भी सुनीं। डॉ. शर्मा ने स्पष्ट किया कि स्कूलों से मिलने वाला फीडबैक ही परीक्षा प्रणाली और शिक्षा व्यवस्था में बोर्ड स्तर पर बड़े एवं सकारात्मक बदलाव लाने का मुख्य आधार बनेगा।प्रशासन और शिक्षा विभाग के बीच समन्वय पर जोरअपने प्रवास के दौरान शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष ने रोहड़ू के उपमंडलाधिकारी (एसडीएम) धर्मेश रमोत्रा से शिष्टाचार भेंट भी की। दोनों अधिकारियों के बीच क्षेत्र के विकास, शिक्षा और जनहित से जुड़े अहम मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। इस दौरान इस बात पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया कि प्रशासन और शिक्षा विभाग के बीच कैसे बेहतर तालमेल स्थापित कर जनसेवा को और अधिक सुलभ व प्रभावी बनाया जा सके।युगपुरुष स्व. वीरभद्र सिंह को किया नमनरोहड़ू दौरे के बीच डॉ. शर्मा ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राजनीति के युगपुरुष स्वर्गीय राजा वीरभद्र सिंह की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि प्रदेश के संपूर्ण विकास, जनकल्याण और लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती में राजा वीरभद्र सिंह का योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि स्व. वीरभद्र सिंह का दूरदर्शी नेतृत्व हिमाचल की आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव एक प्रेरणास्रोत बना रहेगा।डॉ. राजेश शर्मा का यह दौरा केवल औपचारिक निरीक्षण भर नहीं था, बल्कि शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने का एक ठोस प्रयास भी था। विद्यार्थियों को अनुशासन, मेहनत और उच्च लक्ष्य निर्धारित करने की प्रेरणा देने के साथ-साथ उन्होंने शिक्षकों से सीधे संवाद कर शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की पहल की। प्रशासन और शिक्षा विभाग के बीच बेहतर तालमेल पर जोर देकर उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षा सुधार केवल कक्षाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक सामाजिक जिम्मेदारी है।

JUNE 25, 2026 THURSDAY DHARAMSHALA

The Sunny Times

HPBOSE SHAKE-UP: CHAIRMAN REBOOTS BOARD FOR MISSION 2027

The Sunny Times | Dharamshala

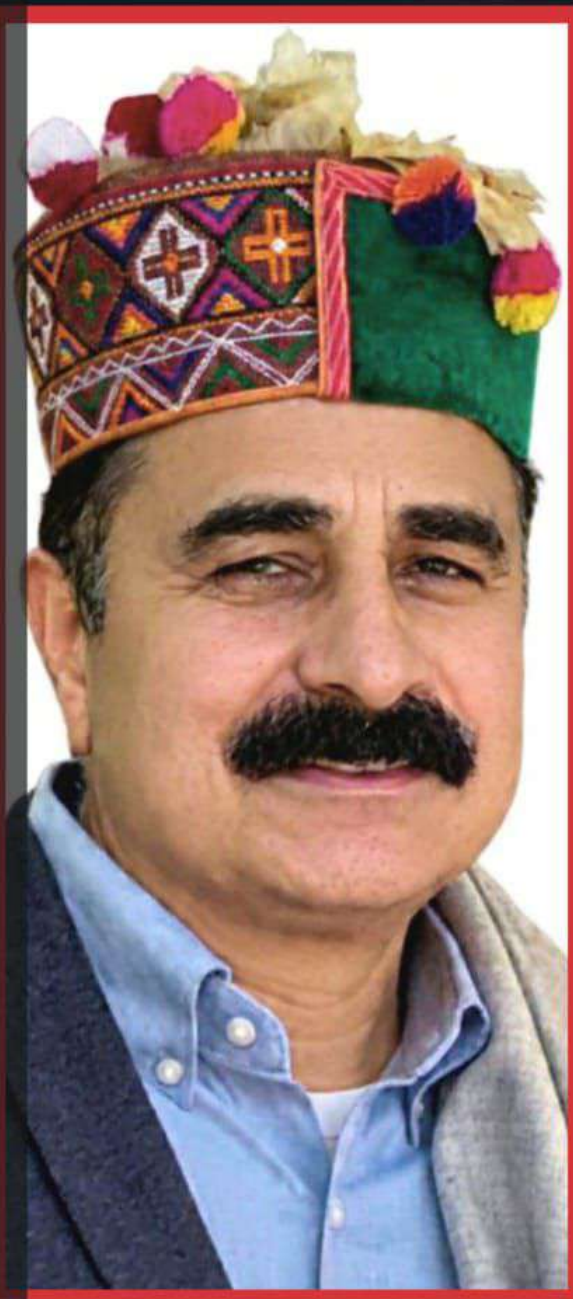

In a sweeping administrative shake-up aimed at supercharging its operations, the Himachal Pradesh Board of School Education (HPBOSE) has shuffled numerous long-standing officials and staff members ahead of the 2027 academic session.

Board Chairman Dr. Rajesh Sharma ordered the massive internal overhaul to inject fresh energy, speed, and absolute transparency into the headquarters. Under this decisive move, personnel who had been anchored to the same departments and desks for years were uprooted and handed entirely new portfolios.

Dr. Sharma framed the shake-up as a strategic administrative pivot designed to crush stagnation and maximize efficiency. By rotating staff across different branches, the board intends to cross-train its workforce, foster a broader exchange of expertise, and present employees with fresh institutional challenges. This, the leadership believes, will fundamentally strengthen the board's operational capacity.

Setting a tone of shared accountability, Dr. Sharma rallied the workforce by downplaying his own rank. He emphasized that any institutional success belongs strictly to the collective, stating that he views himself merely as another member of the team working for the future of the state's students.

The aggressive reshuffle builds directly on the board's flawless execution of the 2026 academic calendar, which saw smooth examinations and highly punctual result declarations. By deploying this newly reshuffled team well ahead of schedule, the board is looking to replicate that success in 2027, promising the state's students a highly reliable, frictionless, and merit-driven examination system.